दैनिक भारतीय बस्ती

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 39 शुक्रवार 28 अगस्त 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

धरने पर बैठे बजरंग दल जिलाध्यक्ष समर्थकों समेत हिरासत में

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के महसो गांव में बहनोई मनीष पांडेय की हत्या के मामले को लेकर राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष मनमोहन त्रिपाठी गुरुवार शाम एसपी कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए। उनके साथ समर्थक भी मौजूद थे। त्रिपाठी का आरोप था कि हत्या के दो आरोपी पुलिस की मौजूदगी में न्यायालय में आत्मसमर्पण करने पहुंचे थे। इसे लेकर उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए।

धरने की वजह से एसपी कार्यालय के सामने हंगामे की स्थिति बन गई। प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने मनमोहन त्रिपाठी और उनके समर्थकों को वहां से हटाया और गाड़ी में बैठाकर कोतवाली ले गई।

मनमोहन त्रिपाठी को कोतवाली ले जाने की जानकारी मिलते ही उनके समर्थक वहां पहुंचने लगे। भीड़ बढ़ने पर पुलिस ने कोतवाली के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी। पुलिस अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए रहे।

मनीष पांडेय हत्याकांड में छह लोगों को नामजद किया गया था। पुलिस चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। दो अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही थी। उनके न्यायालय में आत्मसमर्पण के लिए पहुंचने की जानकारी के बाद मृतक पक्ष के लोग नाराज हो गए।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, मनीष के सिर में गंभीर चोट लगी थी और ब्रेन के दोनों हिस्सों में चोट पहुंची थी। घटना के बाद से ही मृतक के परिजन और राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ता आरोपियों की गिरफ्तारी और पुलिस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

राष्ट्रीय महामंत्री के स्वागत को लेकर भाजपा ने झोंकी ताकत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व सांसद श्री हरीश द्विवेदी के पदभार ग्रहण करने के बाद प्रथम बस्ती आगमन को लेकर जिले में तैयारियों युद्धस्तर पर जारी हैं। उनके भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह की रूपरेखा तय करने के लिए गुरुवार को भाजपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष एवं सोशल मीडिया टीम की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हुई।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विवेकानंद मिश्र ने बताया कि हरीश द्विवेदी 31 अगस्त को जिले के विभिन्न तय मार्गों से होते हुए अपने विशाल काफिले के साथ होटल बालाजी प्रकाश पहुंचेंगे। इस ऐतिहासिक आगमन को डिजिटल मंचों पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने के लिए सोशल मीडिया टीम ने व्यापक प्रचार–प्रसार और लाइव कवरेज की विशेष रणनीति तैयार की है।

बैठक में मुख्य रूप से जिला महामंत्री अमृत कुमार वर्मा, जिला मंत्री सुरेंद्र चौधरी, जिला मीडिया प्रभारी अजय पाल सिंह, जिला संयोजक सोशल मीडिया श्रुति कुमार अग्रहरि, शशि कपूर, पंकज दूबे, अरुण सोनकर, विजय सिंह, आकाश सिंह, मनीष उपाध्याय, श्रवण यादव, सूरज कुमार, हर्षित सिंह, भूपेश वर्मा, अजय निषाद, उमेश कन्नौजिया, आलोक शुक्ला, विवेक तिवारी, मनोज निषाद, आदित्य, हनुमान प्रसाद भोलू सहित दर्जनों पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नेपाल में फंसे यूपी के नागरिकों की वापसी के लिये सरकार सक्रिय

लखनऊ (आभा)। नेपाल में बाढ़ और प्राकृतिक आपदा के बीच फंसे यूपी के नागरिकों की सुरक्षा के लिए योगी सरकार ने मोर्चा संभाल लिया है। योगी सरगार ने नागरिकों को सुरक्षित निकालकर उन्हें वापस यूपी लाने को लेकर राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नेपाल में फंसे यूपी के लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए एसडीआरएफ और पीएसी के जवानों को भेजा गया है।

मुख्यमंत्री स्वयं राहत–बचाव की तैयारियों और सीमावर्ती क्षेत्रों की स्थिति पर नजर रख रहे हैं। नेपाल में राहत–बचाव अभियान के लिए एसडीआरएफ की एक दुकड़ी भेजी गई है। इसमें 32 जवान शामिल हैं। इसके साथ ही पीएसी की 26वीं बटालियन के 22 जवानों को भी नेपाल भेजा गया है। सरकार ने स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त जवानों और बचाव उपकरणों की व्यवस्था भी तैयार रखी है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत–बचाव कार्य का वस्तिार किया जा सके।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों तक पहुंचने और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर निकालने के लिए चार रबर बोट उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अलावा अतिरक्ति एसडीआरएफ दल के साथ एल्युमिनियम बोट भी नेपाल भेजी जा रही है। सिंधुरिया क्षेत्र में राहत और बचाव अभियान को लेकर आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। उत्तर प्रदेश सरकार नेपाल में बाढ़ की स्थिति और सीमावर्ती जिलों में इसके प्रभाव की लगातार निगरानी कर रही है। राहत आयुक्त कार्यालय के नियंत्रण कक्ष से स्थिति की नियमित जानकारी ली जा रही है और आवश्यकता के अनुसार संबंधित जिलों के प्रशासन के साथ समन्वय किया जा रहा है।

सरकार का प्राथमिक लक्ष्य नेपाल में फंसे उत्तर प्रदेश के नागरिकों तक तत्काल मदद पहुंचाना और उन्हें सुरक्षित वापस लाना है।

पूर्वान्चल, प्रदेश और देश की उम्मीद हैं हरीश द्विवेदी–अंकुर वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अंकुर वर्मा ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी जमीनी नेता है और उनके राष्ट्रीय महामंत्री बनने से भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ गया है। कहा कि छात्र राजनीति, विद्यार्थी परिषद से लेकर भाजपा की सक्रिय राजनीति में उनसे जुड़कर युवा पीढी में विशेष उत्साह है। 31 अगस्त को उनके प्रथम बस्ती आगमन पर कटेश्वर पार्क के निकट उनका भव्य स्वागत किया जायेगा। यह पूंछे जाने पर कि क्या अंकुर वर्मा विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे, अंकुर ने कहा कि यह निर्णय पार्टी नेतृत्व को करना है। भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता के रूप में जिसे भी टिकट मिले उनका पूरा प्रयास होगा कि भाजपा की जीत सुनिश्चित हो। यदि पार्टी ने मौका दिया तो वे चुनाव लड़ने को तैयार है।

पत्रकारों के सवालों का उत्तर देते हुये अंकुर वर्मा ने कहा कि पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया जाना जनपदवासियों के लिये गौरव का क्षण है। समूचे पूर्वान्चल और प्रदेश के अनेक जनपदों में लोगों में प्रसन्नता है। वे पूर्वान्चल, प्रदेश और देश की उम्मीद है। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र के दिशा निर्देश के अनुरूप कटेश्वर पार्क के निकट उनके स्वागत की भव्य तैयारी की जा रही है।

शिक्षक सभा ने सपा प्रदेश अध्यक्ष को सौंपा पांच सूत्रीय ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद भ्रमण पर आये समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल को समाजवादी शिक्षक सभा ने पांच सूत्रीय ज्ञापन देकर शिक्षकों की समस्याओं के निस्तारण हेतु प्रयास किये जाने की मांग किया है। जिलाध्यक्ष डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी के नेतृत्व मे शिक्षक सभा के पदाधिकारियों ने गेस्ट हाउस पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।

सौंपे गये ज्ञापन मे प्रमुख रूप से उ.प्र. माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड 1982 मे मिलने वाली सेवा सुरक्षा प्रावधान फिर से लागू किये जाने, पुरानी पेंशं बहाल किये जाने, वित्तविहीन शिक्षकों को सम्मानजनक मानदये दिये जाने, शिक्षामित्रों को शिक्षक के पद पर समायोजित किये जाने तथा माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों व कर्मचारियों को राजकीय शिक्षकों की भांति चिकित्सा सुविधायें दिये जाने की मांग की गई है। जिलाध्यक्ष ने कहा उपरोक्त मागों को लेकर शिक्षक सभा लगातार आन्दोलित है, लेकिन सरकार द्वारा इसकी अनदेखी की जा रही है। सपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा उ.प्र. मे समाजवादी पाटी की सरकार बनने पर उपरोक्त मागों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर उन्हे लागू कराया जायेगा। शिक्षक सभा के महासचिव श्रीनाथ विश्वकर्मा, प्रदेश सचिव डा. फूलदेव यादव, अरविन्द वर्मा आदि मौजूद रहे।

31 को भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री का होगा ऐतिहासिक स्वागत–अभिषेक कुमार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आगामी 31 अगस्त को भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री बनने के बाद पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के बस्ती प्रथम आगमन हेतु ऐतिहासिक स्वागत के लिए सॉऊघाट विकासखण्ड के ब्लॉक प्रमुख और भाजपा के जिला महामंत्री अभिषेक कुमार, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा एवं जिला पंचायत सदस्य विधामणि सिंह के नेतृत्व में सुभाष चौक फौव्वारा चौराहा पर दिन में 2 बजे हजारों की संख्या में ऐतिहासिक स्वागत किया जायेगा।

ऐतिहासिक स्वागत के लिए विकासखंड साऊंघाट कार्यालय में ब्लाक प्रमुख अभिषेक कुमार की अध्यक्षता में तैयारी बैठक हुई जिसमें दायित्वों का वितरण किया गया। बैठक में विनय यादव मंडल प्रभारी हनुमानगंज के साथ ही ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्रधान यशपाल यादव, विकास चौधरी, सुभाष निरंकारी, विश्वनाथ लालू शुक्ला, क्षेत्र पंचायत सदस्य परमात्मा प्रसाद गिरधारी चौधरी, लल्लू शुक्ल, पंकज चौधरी, प्रमोद, तेजराम यादव, विजय चौधरी, दीपचंद, सुभाष चौधरी, इमरान, शुभम यादव, रामकृष्ण कनौजिया, अंकुर कुमार, अनिल चौधरी जमुना प्रसाद कनौजिया सहित अनेक ग्राम प्रधान उपस्थित रहें।

सरकार युवाओं को रोजगार देने के बजाय उन पर लाठी चलवा रही है– श्यामलाल पाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरुवार को समाजवादी पार्टी द्वारा महादेवा विधान सभा क्षेत्र के गायघाट में स्थित एक मैरेज हाल के सभागार में सपा का पीडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल और विशिष्ट अतिथि सांसद रामप्रसाद चौधरी रहे। कार्यकर्ताओं ने अतिथियों का फूलमालाओं से स्वागत किया।

पीडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने प्रदेश सरकार की नीतियों पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा की सरकार बनने पर बेहतर काम किया जाएगा। उन्होने कहा कि सरकार बनते ही महिलाओं के खातों में 40 हजार रुपये भेजे जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने महिलाओं के खातों में 15 लाख रुपये भेजने का वादा किया था, लेकिन आज तक किसी के खाते में यह राशि नहीं पहुंची। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसान, नौजवान और बेरोजगार परेशान हैं और महंगाई चरम पर है। चीनी, गैस और खाद के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। सरकार युवाओं को रोजगार देने के बजाय उन पर लाठी चलवा रही है।

विशिष्ठ अतिथि सांसद रामप्रसाद चौधरी ने कहा कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में विकास नजर नहीं आया, जबकि महंगाई लगातार बढ़ी है। सम्मेलन को जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्र नाथ यादव, विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, विधायक कविंद्र चौधरी 'अतुल', पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, राम जियावन, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सोलंकी, डा. किताबुलाह अंसारी ,राजेन्द्र चौधरी आदि ने संबोधित करते हुये सपा के लक्ष्य, उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये भाजपा पर निशाना साधा। सम्मेलन में महादेवा विधान सभा के बूथ प्रभारी, बीएलए,सेक्टर अध्यक्ष , सेक्टर प्रवेक्षक, जोन प्रभारी मौजूद रहे।

पीडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में मो स्वालेह, विजय विक्रम आर्या , गीता भारती , गुलाब सोनकर ,संजय गौतम, रोहित आर्या ,दया शंकर मिश्रा, श्याम नारायण शुक्ला कक्कू , राजा राम यादव,रवींद्र यादव ,जावेद पिंडारी,महँथ यादव, जमील अहमद,राजेन्द्र चौरसिया,यूसुफ अंसारी, रणजीत यादव रिन्टु , आर डी गोस्वामी,राम बृक्ष यादव, कैश मोहम्मद,अमरेन्द्र यादव,मनोज यादव, कोइल यादव,महेंद्र यादव , सुभाष यादव ,चंद्रिका यादव, विजय प्रताप यादव,राघवेंद्र सिंह, गंगा प्रसाद यादव,प्रेम जी यादव ,राजेश पटेल,गिरीश चंद्र , इरशाद अहमद, निशार अहमद ,मैसर अली, सुबाश चंद्र यादव ,हीरा यादव, देवनाथ यादव, राजेश यादव , ज्ञान चन्द्र चौधरी, बैजनाथ शर्मा, नन्द लाल यादव, राम शंकर निराला, विजय पाल यादव ,गजानन पाल, सर्वजीत यादव, इन्द्रसेन यादव , विवेक यादव विक्की , लालमन यादव, मान सिंह यादव, रवींद्र यादव अखिलेश यादव समेत हजारों की संख्या में सपा नेता, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

–सपा के पीडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में निशाने पर रही भाजपा

–सपा की सरकार बनते ही महिलाओं के खातों में भेजे जायेंगे 40 हजार रुपये

ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश, 2 पायलटों की मौत

—कानपुर (आभा)। कानपुर के गंगा बैराज क्षेत्र में ट्रेनिंग विमान /एयरक्राफ्ट हादसे का शिकार क्रैश हो गया। हादसे में दोनों ट्रेनी पायलेट की मौत हो गई है। कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट हादसे में जान गंवाने वाले पायलटों की पहचान अभिषेक पुजारी निवासी कर्नाटक और सुमित भाटिया निवासी गुजरात के रूप में हुई है। दोनों की नौकरी पर ही मौत होने की सूचना है। 2023 से विमान ट्रेनिंग के लिए लाया गया था। टेक्नम कंपनी का विमान था। हादसे की सूचना डीजीसीए को दी गई है। डीजीसीए की टीम पहुंच रही है। हादसे का कारण जांच के बाद पता चलेगा।

जानकारी के मुताबिक, विमान ने सुबह करीब 11.20 बजे कानपुर कैंट क्षेत्र से उड़ान भरी थी। बताया जा रहा है कि विमान चार सीटर था और ट्रेनिंग उड़ान पर था। इसके बाद कटरी क्षेत्र स्थित नत्थूपुरवा गांव में गुरुवार दोपहर एक दिवन इंजन ट्रेनिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

महंत राजू दास के खिलाफ अभद्र टिप्पणी मामले में कार्रवाई की मांग, सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अयोध्या धाम के महंत राजू दास जी महाराज के संबंध में टीवी डिबेट के दौरान कथित रूप से अभद्र एवं आपत्तिजनक भाषा के प्रयोग तथा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट प्रसारित किए जाने के मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर अधिवक्ताओं की ओर से शिवशंकर श्रीवास्तव एडवोकेट के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी बस्ती के माध्यम से सौंपा गया।

अधिवक्ता शिवशंकर श्रीवास्तव के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि हाल ही में एक टीवी डिबेट के दौरान कांग्रेस प्रवक्ता द्वारा महंत श्री राजू दास जी महाराज के संबंध में कथित रूप से अपशब्दों एवं अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया। इसके बाद सोशल मीडिया पर भी विभिन्न राजनीतिक व्यक्तियों द्वारा वीडियो, संदेश एवं पोस्ट प्रसारित किए जाने की बात ज्ञापन में कही गई है। इससे सनातन समाज एवं विभिन्न वर्गों में रोष और आक्रोश व्याप्त होने का दावा किया गया है।

ज्ञापन में कहा गया कि इस प्रकार की अभद्र एवं आपत्तिजनक टिप्पणियां सामाजिक एवं धार्मिक सौहार्द को प्रभावित कर सकती हैं तथा समाज में गलत संदेश फैलने की आशंका रहती है। ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध प्रचलित कानूनों के तहत आवश्यक वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई किए जाने की मांग की गई। ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री से संबंधित टीवी डिबेट और सोशल मीडिया पोस्टों की जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करने का अनुरोध किया गया। साथ ही भविष्य में किसी धर्म, संत–महात्मा अथवा समाज के प्रति अभद्र एवं आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित किए जाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की गई।

इस दौरान अधिवक्ता शिवशंकर श्रीवास्तव ने कहा कि "हम मांग करते हैं कि इस तरह की अभद्र एवं आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले राजनीतिक व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। किसी भी धर्म, संत–महात्मा या समाज के प्रति आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग स्वीकार नहीं किया जा सकता।

ज्ञापन सौंपने के दौरान राकेश कुमार एडवोकेट, नबी मोहम्मद, ज्ञान प्रकाश शुक्ला एडवोकेट, धर्मेंद्र, विजयकांत सिंह एडवोकेट, बाबूराम सिंह, अजय गौतम एडवोकेट, रितुराज पाल एडवोकेट, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सेन्ट्रल एकेडमी की छात्राओं ने डीआईजी संजीव त्यागी को बांधा रक्षाबंधन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को सेन्ट्रल एकेडमी में रक्षाबन्धन का पर्व उल्लास से मनाया गया। विद्यालय की छात्राओं ने डीआईजी और पुलिस अधिकारियों, पुलिस कर्मियों को राखी बांधकर भाई–बहनं के पवित्र रिश्ते के साथ ही सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया।

विद्यालय की छात्राओं राजश्री तिवारी, आराध्या, एंजेल, साक्षी, हिफ्जा, अंजली, आरोही, सिनीन, समृद्धि, शिप्रा ने पुलिस उपमहानिरीक्षक संजीव त्यागी सहित अन्य पुलिस कर्मियों को रक्षासूत्र बांधा। छात्राओं ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के सुखी, स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन तथा निरंतर सफलता की कामना की। इसके साथ ही विद्यालय द्वारा देश की सेवा कर रहे जवानों के लिए भी राखी भेजी गई।

इस अवसर पर छात्राओं ने कहा कि पुलिस कर्मी समाज की सुरक्षा, शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। रक्षाबंधन पर उन्हें राखी बांधना उनके प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम है।

पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को स्नेहपूर्वक आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, अच्छी शिक्षा और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने छात्राओं के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में संस्कार, सामाजिक जिम्मेदारी, सम्मान और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करते हैं।

विद्यालय के प्रबंध निदेशक जे. पी. तिवारी ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई–बहन के रिश्ते का पर्व नहीं, बल्कि समाज में सुरक्षा, सम्मान, प्रेम और विश्वास की भावना को मजबूत करने का अवसर भी है। विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, संस्कारों एवं सामाजिक मूल्यों से जोड़ना शिक्षा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

प्रधानाध्यापिका दीपिका तिवारी ने कहा कि रक्षाबंधन का यह आयोजन छात्राओं में सेवा, सम्मान और सामाजिक दायित्व की भावना विकसित करता है। पुलिस कर्मी जिस समर्पण के साथ समाज की सुरक्षा करते हैं, उनके प्रति सम्मान व्यक्त करना गर्व का विषय है।

कार्यक्रम में आबिद अरशद, फिजा यूनस, प्रियंका त्रिपाठी, अंजली, फिजा अकरम, अतुल सोनकर, सुधा जिसानं रुचि, रानी विश्वकर्मा, शम्स परवेज, मुदस्सर आजम ने योगदान दिया। विद्यालय परिवार ने रक्षाबंधन को प्रेम, सम्मान, सुरक्षा, संस्कार और सामाजिक समरसता के संदेश के साथ मनाया।

–उल्लास के साथ मनाया गया पर्व:सैनिकों को भेजा रक्षा सूत्र

महादेवा विधानसभा सीट से कुलविंदर सिंह ने ठोकी मजबूत दावेदारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। इसी बीच लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी कुलविंदर सिंह ने महादेवा विधानसभा सीट से एक बार फिर चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर करते हुए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। कुलविंदर सिंह ने कहा कि यदि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें पुनः चुनाव मैदान में उतरने का अवसर दिया, तो वह पूरी मजबूती और निष्ठा के साथ महादेवा विधानसभा से आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता से उनका लगातार जुड़ाव रहा है और जनहित के मुद्दों को लेकर वह हमेशा सक्रिय रहे हैं।

उन्होंने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के संस्थापक एवं दिवंगत नेता रामविलास पासवान जी के जो सपने अधूरे रह गए हैं, उन्हें पूरा करना उनका प्रमुख लक्ष्य होगा। उनके विचारों और सामाजिक न्याय की सोच को आगे बढ़ाते हुए आम जनता की आवाज को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

लोजपा नेता कुलविंदर सिंह ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के निर्णय का वह सम्मान करेंगे, लेकिन यदि उन्हें जिम्मेदारी दी गई तो वह पूरी ताकत के साथ संगठन को मजबूत करने और महादेवा विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए काम करेंगे। उनकी इस घोषणा के बाद महादेवा विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। अब देखना होगा कि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी नेतृत्व किसे अपना प्रत्याशी बनाता है और कुलविंदर सिंह की दावेदारी को किस नजरिए से देखा जाता है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 28 अगस्त 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

विनाशकारी बाढ़ और चीन

नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। अचानक आई बाढ़ ने कई इलाकों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं। कहीं घर और सड़कें पानी में डूब गईं, तो कहीं लोग अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित जगहों की ओर भागते नजर आए। राहत और बचाव दल लगातार प्रभावित इलाकों में लोगों को निकालने में जुटे हैं। बाढ़ के बाद तबाही का मंजर बेहद डरावना है। बाढ़ के बीच फंसे लोगों की बेबसी ने संकट बढा दिया है। नेपाल–चीन बॉर्डर पर पिछले तीन दिनों से अचानक बाढ़ आ रही है और खतरा अभी टला नहीं है। 26 अगस्त को ग्लेशियर टूटने से नेपाल की भोटेकोशी नदी में पानी की एक खतरनाक लहर उठी, उसी सुबह हुए मडस्लाइड (कीचड़ के बहाव) ने चीन के ग्यारोंग पोर्ट क्रॉसिंग को मलबे में दबा दिया। अब, जब यह इलाका पहले ही काफी मुश्किलों का सामना कर रहा है, वैज्ञानिकों का कहना है कि नदी के ऊपरी हिस्से में बनी एक नई झील अगले तीन दिनों में फट सकती है और नीचे की ओर पानी का एक और तेज बहाव आ सकता है।

नेपाल के हाइड्रोलॉजी और मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि यह बाढ़ बारिश की वजह से नहीं आई थी। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि ग्लेशियर का एक बड़ा हिस्सा – जो शायद लांगटांग लिरुंग के उत्तरी हिस्से में था – लगभग 5,200 मीटर की ऊंचाई से टूटकर करीब 1,200 मीटर नीचे लेंडे नदी में गिरा, जो भोटेकोशी की एक सहायक नदी है। गिरती हुई बर्फ और चट्टानों ने एक प्राकृतिक बांध की तरह संकरी घाटी का रास्ता रोक दिया, और फिर वह टूट गया, जिससे पानी, बर्फ और बड़े पत्थरों की एक गाढ़ी, कीचड़ भरी लहर रसुवा, नुवाकोट, धाडिंग, गोरखा और चितवन की ओर तेजी से बढ़ी।

उसी सुबह, नेपाल के साथ व्यापार का एक अहम रास्ता, चीन के जिंजैंग इलाके में ग्यिरोंग पोर्ट के पास जमीन खिसकने (मडस्लाइड) की एक और घटना हुई। चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी ने बताया कि वहाँ कुछ जगहों पर कीचड़ पाँच फीट से ज़्यादा गहरा जमा हो गया था, जिससे सड़कें और कम्युनिकेशन लाइनें कट गईं। गुरुवार सुबह तक, चीन की तरफ तीन लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी थी और 558 लोग लापता थे, जिसके बाद राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान चलाने का आदेश दिया। अधिकारियों ने अभी तक आधिकारिक तौर पर इस बात की पुष्टि नहीं की है कि मडस्लाइड (कीचड़ का बहाव) और भोटेकोशी बाढ़ का स्रोत एक ही है या नहीं।

चीन के जल संसाधन मंत्रालय का कहना है कि छोचेन खोला और पुरेपु त्सांगपो नदियों के संगम के पास एक बैरियर झील बन गई है। गुरुवार सुबह तक इसमें लगभग 20 लाख क्यूबिक मीटर पानी जमा हो गया था और यह पहले से ही ओवरफ्लो हो रही है। अगले तीन दिनों में इसमें और 30 लाख क्यूबिक मीटर पानी आ सकता है, जिससे इसके टूटने का खतरा बढ़ गया है। चीनी इंजीनियर इस स्थिति से निपटने की तैयारी के लिए बाढ़ सिमुलेशन कर रहे हैं, जबकि नेपाल ने भोटेकोशी, त्रिशूली और नारायणी नदियों के किनारे रहने वाले लोगों से कहा है कि वे अगली सूचना तक नदी के किनारों से दूर रहें।

जबकि दूसरी ओ नेपाल में आई जल त्रासदी के बाद बिहार में गंडक नदी के किनारे रहने वाले लोग आपदा में भी अवसर तलाशने लगे हैं। तटीय इलाकों के लोग अपनी जान जोखिम में डालकर उफनती गंडक नदी में उतर रहे हैं। दरअसल, नेपाल में अचानक आई बाढ़ से गंडक में भारी मात्रा में लकड़ियां, गैस सिलेंडर और अन्य घरेलू सामान बहकर आ रहे हैं। पश्चिम चंपारण जिले में नदी से ये सामान निकालने की होड़ सी मची हुई है। लोग अपनी जान की बाजी लगाकर नदी में कूद रहे हैं और ज्यादा से ज्यादा लकड़ियां एवं अन्य सामान बटोरने की कोशिश कर रहे हैं। इससे हादसे की आशंका बनी हुई है। प्रशासन द्वारा लगातार लोगों को नदी में नहीं उतरने की हिदायत दी जा रही है। पश्चिम चंपारण जिले के वाल्मीकिनगर, बगहा और मधुबनी समेत अन्य क्षेत्रों में गुरुवार को बड़ी संख्या में लोग गंडक नदी में उतरते हुए नजर आए। स्थानीय लोगों के अनुसार, नेपाल की ओर से बहकर आई लकड़ियों के साथ गैस सिलेंडर और घरेलू उपयोग के अन्य उपकरण भी नदी में दिखाई दे रहे हैं। लोगों का दावा है कि विभिन्न घाटों से अब तक 100 से ज्यादा एलपीजी सिलेंडर मिल चुके हैं। इसके अलावा बड़ी मात्रा में अन्य घरेलू सामान भी नदी से निकाले जा रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नेपाल में भारी बारिश और तबाही के बाद नदी में बहाव के साथ बड़ी मात्रा में लकड़ी और अन्य सामान आया है। इसे निकालकर लोग अपने घरेलू उपयोग में ले रहे हैं या फिर बेच रहे हैं। हालांकि, ये सामान निकालते समय लोगों को मौत का भी डर नहीं सता रहा है। पुलिस द्वारा उन्हें लगातार रोका जा रहा है। प्रशासन और पुलिस की टीम स्थिति पर नजर बनाए हुए है तथा लोगों से नदी से दूर रहने की अपील की जा रही है।

यदि नेपाल में स्थितियां सामान्य न हुई तो उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थितियां बिगड़ सकती है। ऐसे में प्रशासन को सक्रिय रहना होगा।

क्या है आरक्षण ? जरूरत या फिर अधिकार..!

–अशोक कुमार झा–

देश में आरक्षण को लेकर बहस आज केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह गई है, बल्कि यह संविधान, सामाजिक न्याय, समान अवसर और राष्ट्र के भविष्य से जुड़ा एक गंभीर प्रश्न बन चुकी है। आरक्षण के समर्थन में यह तर्क दिया जाता है कि यह वंचित वर्गों का संवैधानिक अधिकार है और इसे कोई छीन नहीं सकता। दूसरी ओर यह सवाल भी उठता है कि आरक्षण का मूल उद्देश्य क्या थाकृक्या यह हमेशा के लिए किसी वर्ग को विशेष अवसर देने की व्यवस्था थी या इसका उद्देश्य उन लोगों को आगे बढ़ाना था जो सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक रूप से पिछड़ गए थे?

आरक्षण की अवधारणा को समझने के लिए सबसे पहले उसके उद्देश्य को समझना आवश्यक है। संविधान निर्माताओं के सामने उस समय एक ऐसा समाज था जिसमें अनेक समुदाय लंबे समय से सामाजिक और शैक्षिक अवसरों से वंचित थे। इसलिए राज्य को यह जिम्मेदारी दी गई कि वह ऐसे वर्गों को आगे बढ़ने के लिए विशेष अवसर उपलब्ध कराए, ताकि वे समाज की मुख्यधारा में बराबरी के साथ आ सकें। इसका मूल उद्देश्य सामाजिक असमानता को कम करना और अवसरों की समानता स्थापित करना था। लेकिन समय के साथ आरक्षण को लेकर राजनीतिक भाषा में एक महत्वपूर्ण बदलाव दिखाई देने लगा है। जिस व्यवस्था को सामाजिक उत्थान का माध्यम माना गया था, उसे अब कई बार स्थायी अधिकार के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यहीं से एक महत्वपूर्ण बहस जन्म लेती हैंकृक्या आरक्षण हमेशा के लिए अधिकार है या फिर उसकी मूल भावना जरूरतमंद व्यक्ति को बराबरी तक पहुंचाने की थी?

जरूरत और अधिकार, इन दोनों शब्दों के अर्थ में बहुत बड़ा अंतर है। जरूरत उस व्यक्ति की होती है जिसके पास पर्याप्त साधन नहीं हैं और जिसे आगे बढ़ने के लिए सहायता की आवश्यकता है। वहीं अधिकार की अवधारणा में व्यक्ति की वास्तविक जरूरत से अलग एक स्थायी दावा शामिल हो सकता है। इसलिए आज देश के सामने यह सवाल रखना आवश्यक है कि आरक्षण का लाभ वास्तव में किसे मिल रहा है? क्या उसका लाभ समाज के सबसे गरीब और सबसे वंचित व्यक्ति तक पहुंच रहा है या फिर वह बार–बार उन्हीं परिवारों और वर्गों के हाथों में केंद्रित होता जा रहा है जो पहले ही आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक रूप से मजबूत हो चुके हैं?

किसी भी बड़े सामाजिक वर्ग के भीतर आर्थिक और सामाजिक असमानता होना स्वाभाविक है। आरक्षित वर्गों के भीतर भी ऐसे परिवार हैं जो अत्यंत संपन्न हैं और दूसरी ओर उसी समुदाय के ऐसे परिवार भी हैं जो आज तक गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी और मूलभूत सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि किसी व्यवस्था का उद्देश्य सबसे कमजोर व्यक्ति को आगे बढ़ाना है, तो क्या उसकी समय–समय पर समीक्षा नहीं होनी चाहिए? समीक्षा का अर्थ किसी समुदाय के अधिकार छीनना नहीं है। समीक्षा का अर्थ यह देखना है कि व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य को पूरा कर रही है या नहीं और उसका लाभ वास्तव में सबसे जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंच रहा है या नहीं।

लोकसभा और विधानसभाओं में आरक्षित सीटों का उद्देश्य राजनीतिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है। लेकिन यहां भी एक गंभीर बहस की आवश्यकता है। क्या आरक्षित सीटों पर उम्मीदवारों का चयन केवल उस वर्ग की पहचान के आधार पर होना चाहिए या उस वर्ग के भीतर वास्तविक रूप से वंचित और जरूरतमंद लोगों को भी राजनीतिक अवसर मिलना चाहिए? भारतीय राजनीति में अनेक ऐसे परिवार हैं जिनकी कई पीढ़ियां सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रही हैं। अलग–अलग राजनीतिक दलों में राजनीतिक परिवारों की मौजूदगी कोई नई बात नहीं है। लेकिन लोकतंत्र का उद्देश्य केवल राजनीतिक परिवारों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना नहीं, बल्कि आम नागरिक को भी नेतृत्व का अवसर देना है। इसलिए प्रश्न किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध नहीं होना चाहिए, बल्कि व्यवस्था से होना चाहिए कि क्या राजनीति में अवसर का वास्तविक लोकतंत्रीकरण हो रहा है?

सामाजिक न्याय की चर्चा करते समय आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के नागरिकों की समस्याओं को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक गरीब किसान, मजदूर, छोटा दुकानदार, बेरोजगार युवा या आर्थिक रूप से कमजोर परिवार यदि संकट में है तो उसकी गरीबी केवल इसलिए समाप्त नहीं हो जाती कि वह आरक्षित श्रेणी में नहीं आता। इसी प्रकार किसी आरक्षित वर्ग में जन्म लेने वाला व्यक्ति यदि अत्यंत संपन्न है, उच्च शिक्षा प्राप्त कर चुका है और उसका परिवार कई पीढ़ियों से आर्थिक एवं राजनीतिक रूप से मजबूत है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या उसे उसी स्तर की सहायता की आवश्यकता है जो किसी अत्यंत गरीब परिवार को है? इसलिए सामाजिक न्याय की चर्चा में जाति के साथ–साथ आर्थिक और सामाजिक वास्तविकताओं को भी गंभीरता से देखने की आवश्यकता है।

यह भी स्पष्ट करना जरूरी है कि आरक्षण पाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अयोग्य या कम प्रतिभाशाली मानना गलत है। आरक्षण के माध्यम से अवसर प्राप्त करने वाले अनेक लोगों ने शिक्षा, प्रशासन, राजनीति, विज्ञान, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य किया है। इसलिए बहस किसी व्यक्ति की योग्यता पर हमला करने की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था तैयार करने की होनी चाहिए जिसमें सामाजिक न्याय और योग्यता के बीच उचित संतुलन कायम रहे। देश को ऐसे प्रशासनिक अधिकारी, डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, शिक्षक और न्यायविद चाहिए जो अपने क्षेत्र में सक्षम हों और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी समझते हों। सामाजिक न्याय और उत्कृष्टता एक–दूसरे के विरोधी नहीं हैंय सही नीति दोनों को साथ लेकर चल सकती है।

आज दुनिया ज्ञान, तकनीक, अनुसंधान और नवाचार की प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ रही है। ऐसे समय में देश को अपने हर प्रतिभाशाली युवा की आवश्यकता है। प्रतिभा किसी जाति की संपत्ति नहीं होती, प्रतिभा किसी धर्म की संपत्ति नहीं होती और प्रतिभा किसी वर्ग की संपत्ति नहीं होती। प्रतिभा व्यक्ति की क्षमता है और राष्ट्र की पूंजी है। इसलिए ऐसी कोई भी व्यवस्था नहीं होनी चाहिए जो प्रतिभाशाली युवाओं को निराश करे। लेकिन साथ ही ऐसी व्यवस्था भी नहीं होनी चाहिए जो ऐतिहासिक रूप से वंचित व्यक्ति को केवल इसलिए अवसर से वंचित कर दे कि उसके पास प्रतिस्पर्धा करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं थे। समाधान टकराव में नहीं, बल्कि संतुलित व्यवस्था में है।

यदि हम वास्तव में ऐसी स्थिति बनाना चाहते हैं जिसमें आने वाली पीढ़ियों को आरक्षण की आवश्यकता कम होती जाए, तो केवल आरक्षण पर बहस करना पर्याप्त नहीं होगा। हमें सरकारी विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना होगा, गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करानी होगी, गांव और छोटे शहरों के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पर्याप्त संसाधन देने होंगे, उच्च शिक्षा को आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए सुलभ बनाना होगा और रोजगार तथा कौशल विकास के अवसर बढ़ाने होंगे। जब शिक्षा और अवसरों में वास्तविक समानता आएगी, तब सामाजिक असमानता भी धीरे–धीरे कम होगी।

आरक्षण की समीक्षा की बात को तुरंत किसी समुदाय के विरोध के रूप में प्रस्तुत करना भी उचित नहीं है। लोकतंत्र में सरकार की आर्थिक नीति की समीक्षा हो सकती है, शिक्षा नीति की समीक्षा हो सकती है, कर व्यवस्था की समीक्षा हो सकती है, तो सामाजिक न्याय की नीतियों की भी समीक्षा हो सकती है। समीक्षा का उद्देश्य किसी समुदाय को कमजोर करना नहीं होना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि जिन लोगों के लिए व्यवस्था बनाई गई थी, उसका वास्तविक लाभ उन्हीं तक पहुंचे। ऐसी समीक्षा संविधान, कानून, न्यायपालिका के निर्णयों, सामाजिक वास्तविकताओं, उपलब्ध आंकड़ों और विशेषज्ञों की राय के आधार पर होनी चाहिए।

किसी भी राजनीतिक या सामाजिक नेता को अपनी बात रखने, आंदोलन करने और सरकार पर लोकतांत्रिक दबाव बनाने का पूरा अधिकार है। लेकिन किसी भी मुद्दे पर हिंसा, अराजकता या देशव्यापी अशांति की धमकी देना लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुकूल नहीं हो सकता। यह सिद्धांत सभी पर समान रूप से लागू होना चाहिए। व्यक्ति किसी भी जाति, वर्ग, धर्म या राजनीतिक विचारधारा से संबंधित हो, कानून के सामने समानता होनी चाहिए। लोकतंत्र में अपनी मांग रखने का अधिकार सबको है, लेकिन देश की शांति और कानून–व्यवस्था को चुनौती देने का अधिकार किसी को नहीं हो सकता।

भारत किसी एक जाति का देश नहीं है। यह केवल सवर्णों का नहीं है, केवल पिछड़ों का नहीं है, केवल अनुसूचित जातियों का नहीं है और केवल अनुसूचित जनजातियों का भी नहीं है। यह देश हर नागरिक का है। यह गरीब किसान का भी है, मजदूर का भी है, छोटे दुकानदार का भी है, नौजवान का भी है, महिला का भी है, आदिवासी का भी है, दलित का भी है, पिछड़े वर्ग का भी है और सामान्य वर्ग के गरीब व्यक्ति का भी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह देश उन बच्चों का भी है जिन्हें आज यह तक नहीं पता कि वे बड़े होकर क्या बनेंगे। हमें यह सोचना होगा कि आने वाली पीढ़ियों को हम कैसी सामाजिक व्यवस्था देकर जाएंगे।

भारत का इतिहास अनेक संघर्षों, बलिदानों और सामाजिक परिवर्तनों से भरा हुआ है। स्वतंत्रता आंदोलन में अलग–अलग क्षेत्रों, समुदायों और वर्गों के लोगों ने योगदान दिया। लेकिन स्वतंत्रता संग्राम के योगदान को आज की जातिगत राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का हथियार बनाना उचित नहीं होगा। हमारे पूर्वजों ने जिस स्वतंत्र राष्ट्र की कल्पना की थी, उसका उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को आपस में लड़ाना नहीं था। हमें इतिहास से प्रेरणा लेनी चाहिए, लेकिन इतिहास को समाज में स्थायी वैमनस्य पैदा करने के लिए इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

संविधान की प्रस्तावना न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता की बात करती है। यही चार शब्द हमारे लोकतंत्र की मूल दिशा निर्धारित करते हैं। न्याय का अर्थ है कि कमजोर के साथ अन्याय न हो। समानता का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक को आगे बढ़ने का अवसर मिले। स्वतंत्रता का अर्थ है कि व्यक्ति अपने जीवन का रास्ता चुन सके और बंधुता का अर्थ है कि समाज के लोग एक–दूसरे के शत्रु न बनें। इसलिए यदि कोई नीति सामाजिक न्याय को मजबूत करती है तो उसे मजबूत किया जाना चाहिए और यदि किसी नीति में समय के साथ खामियां पैदा हो गई हैं तो उन खामियों को दूर किया जाना चाहिए। यही संविधान की जीवंत भावना है।

आरक्षण की बहस को केवल इस सवाल तक सीमित कर देना कि आरक्षण रहेगा या समाप्त होगा, समस्या का समाधान नहीं है। हमें एक व्यापक सामाजिक न्याय नीति पर विचार करना होगा। गरीबी, शिक्षा, सामाजिक पिछड़ापन, क्षेत्रीय पिछड़ापन, पारिवारिक आर्थिक स्थिति और अवसरों की वास्तविक उपलब्धता जैसे विभिन्न कारकों का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाना चाहिए। जो व्यक्ति वास्तव में सबसे पीछे है, उसे प्राथमिकता मिलनी चाहिए। जो परिवार कई पीढ़ियों से आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत हो चुका है, उसके संदर्भ में भी संविधान और कानून के दायरे में उचित नीति पर विचार होना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आरक्षण को केवल वोट बैंक की राजनीति का साधन नहीं बनाया जाना चाहिए।

पाक की हवाई ताकत और चीन

–नमिता बथवाल–

चीन की रणनीतिक सोच है कि पाक को भारत के बराबर सैन्य ताकत हासिल करने की जरूरत नहीं है। उसे इतनी क्षमता दी जाए कि वह भारत को अपने पश्चिमी मोर्चे पर संसाधन लगाने के लिए मजबूर कर सके। ताकि भारत से सीधा टकराव किए बिना दबाव बनाया जा सके। मई 2025 के सैन्य टकराव ने भारत की एक पुरानी चिंता पर ध्यान और ज़्यादा केंद्रित करवा दिया कि असल लड़ाई के दौरान चीन और पाकिस्तान के बीच का सैन्य सहयोग गठजोड़ कैसा रहेगा? इसका जवाब जरूरी नहीं कि चीन द्वारा सीधे लड़ाई में शामिल होने में ही हो। इसकी अधिक परिणामी भूमिका पाकिस्तान की युद्धक्षेत्र का अवलोकन करने, जानकारी प्रोसेस करने व तेजी से कार्रवाई करने की क्षमता को मजबूत करने में हो सकती है।

यह बात पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स और पाकिस्तान एयर फोर्स के बढ़ते सहयोग में साफ तौर पर दिखाई दे रही है। सालों तक, इस रिश्ते को मुख्य रूप से चीन द्वारा पाकिस्तान को दिए गए हथियारों और उपकरणोंकृजैसे कि जे–10सी, एयर–डिफेंस सिस्टम, मिसाइलें और पायलट रहित हवाई वाहनों (ड्रोन)कृके नजरिए से देखा जाता था। आज सवाल यह नहीं है कि पाक के पास कितने चीनी लड़ाकू विमान या मिसाइलें हैं, बल्कि यह प्रश्न है कि क्या चीन पाकिस्तान को एक ऐसा सैन्य सिस्टम बनाने में मदद कर रहा है जो तेजी से फैसला लेने में समर्थ और तेजी से हमला करने लायक हो।

इस सोच की शुरुआत पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स के बदलावों से हुई थी। वर्ष 1991 के खाड़ी युद्ध ने हवाई ताकत के बारे में चीनी सोच पर गहरा असर डाला। बीजिंग ने देखा कि अमेरिकी सैन्य श्रेष्ठता किसी एक लड़ाकू विमान या हथियार से नहीं आई थी। यह समर्था सैटेलाइट, हवा से आरंभिक चेतावनी देने वाले विमान, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, इंटेलिजेंस, कमांड नेटवर्क और सटीक निशाना लगाने वाले हथियारों को एक साथ जोड़कर एक समन्वयक क्रियान्वयन तंत्र बनाने से मिली थी।

जियांग जेमिन के दौर में, ये सबक पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के सूचना–आधारित प्रणाली की ओर अग्रसर हुए, यानी जानकारी में बढ़त और नेटवर्क से जुड़े ऑपरेशन ही युद्धक्षेत्र में असरदार होने का फैसला करेंगे। नई रणनीति में हवाई ताकत को ज़्यादा अहमियत मिलने के साथ चीनी वायु सेना की संस्थागत स्थिति भी मजबूत होती गई।

शी जिनपिंग के दौर में, यह बदलाव इंटीग्रेटेड मल्टी–डोमेन ऑपरेशंस (जिसे चीन 'इंटेलिजेंटाइजेशन' कहता है) की ओर बढ़ा हैरू यानी युद्धक्षेत्र की जानकारी को प्रोसेस करने और फैसला लेने की रफ्तार बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑटोमेशन और एडवांस्ड कंप्यूटिंग का इस्तेमाल। चीनी हवाई ताकत का उद्भव जनरल शू कितियांग से बेहतर शायद ही किसी और अफसर की तरक्की में परिलक्षित होता हो। खुद एक फाइटर पायलट और चीनी वायुसेना के पूर्व कमांडर रहे शू, केंद्रीय सैन्य आयोग के उपाध्यक्ष बनने वाले पहले सेवा–कालिक वायुसेना अफसर बने। वर्ष 2012 से 2022 के दौरान, चीन के सैन्य आधुनिकीकरण में हवाई ताकत की भूमिका और भी अहम हो गई। पाकिस्तान के मामले में भी शू की भूमिका अहम है। वर्ष 2019 में कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद, उन्होंने पाकिस्तान का दौरा किया, जहां बातचीत में हवाई ताकत के क्षेत्र में सहयोग पर विशेष जोर दिया गया। इसके बाद पाकिस्तान ने जे–10सी विमान खरीदने की प्रक्रिया तेज कर दी, जेएफ–17 कार्यक्रम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई और कई क्षेत्रों में चीन के साथ सहयोग बढ़ाया।

जातिवार जनगणना में विवाद के बिंदू

–अरविन्द मोहन–

माना जाता है कि 2011 की जनगणना में जाति की सूचना जोडने का फैसला जिस राजनीतिक दबाव में लिया गया, उसे बनाने में शरद यादव की भूमिका सबसे बड़ी थी। मंडल की राजनीति से देश में चच्चत हुए शरद यादव को इस मुहिम की हवा कमजोर होते जाने का अंदाजा था और उसके कारणों को दूर करना उनके वश में न था। एक बड़ा कारण तो मंडल का राजनीतिक लाभ गिनती के परिवारों में सिमट जाना था। लेकिन उनको भरोसा था कि एक बार जब जातिवार गिनती के आंकड़े सामने आएंगे तो फिर से जाति का विमर्श राजनीति के केंद्र में आ जाएगा। यह गिनती हुई भी लेकिन ऐसा नतीजा नहीं निकला। उसकी वजह जातिवार आंकड़े कभी जारी ही न हो पाना है। पहले यह लगता रहा कि कांग्रेस की अगुवाई वाली यू.पी.ए. सरकार की इच्छा न थी और वह शुरू से टाल–मटोल कर भी रही थी। उसने मुख्य जनगणना के सवालों में जाति वाली सूचना मांगी भी नहीं थी।

यह सर्वे बाद में हुआ। लेकिन बाद में यह जाहिर हुआ कि आंकड़े बहुत ही खराब स्वरूप में आए हैं और अगर उनको जारी किया गया तो झगड़े बढ़ेंगे और जातियों का आपसी संबंध कलह में बदल सकता है। योजना बनाने, संसाधनों के बंटवारे और सत्ता में हिस्सेदारी के बंटवारे के जिस उद्देश्य से इसे कराने का आग्रह किया गया था वह कोई भी लक्ष्य पूरा होता नहीं दिख रहा था। फिर न आंकड़े जारी हुए न कारण बताया गया। मनमोहन सरकार अपनी आदत के अनुसार आलोचना सुनकर भी चुप रही और विपक्ष, जिसमें भाजपा भी शामिल थी, इस चूक या गलती का ठीकरा सरकार के सिर फोड़कर अपनी राजनीति चमकाता रहा। इसमें मंडल वाला खेमा तो निरंतर कमजोर पड़ता गया और 2 राज्यों तथा परिवारों की राजनीति तक सिमट गया। लेकिन अब अचानक पाला पलटा क्योंकि विपक्ष के नेता राहुल गांधी जातिवार जनगणना के पक्ष में हो गए। उन्होंने कांग्रेसी सरकारों द्वारा लगाई गई देरी को गलत कहना भी शुरू किया। अब तो उन्होंने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी भी लिखी है।

यह शुरुआत तब हुई, जब बिहार सरकार ने अपने यहां जातिवार जनगणना का फैसला किया और कांग्रेस इस सरकार में शामिल थी। सहमति तो बिहार भाजपा ने भी दी थी लेकिन केंद्र सरकार ने इसे रोकने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाने से लेकर हर उपाय किए। लेकिन जब राहुल गांधी और उनके पीछे पूरी मंडलवादी धारा ने जातिवार जनगणना को एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया, तो भाजपा को भी पक्ष में दिखने की मजबूरी हो गई। राहुल को अब यह अपना एक नया हथियार लगने लगा। लेकिन भाजपा जातिवार जनगणना तो क्या, सामान्य जनगणना कराने से भी हिचकती रही है। इसके क्या कारण हो सकते हैं, इसका अनुमान भर लगाया जा सकता है लेकिन उसकी चर्चा यहां करने का मतलब नहीं है। मतदाता सूची के पुनरीक्षण और नागरिकता के सवालों पर उसका रवैया भी समझ में नहीं आता। संयोग से 2020 के आसपास फैले कोविड ने उसे एक बहाना भी दे दिया।

कई मामलों में इसके पीछे संघ को माना जाता रहा है। वैसे संघ आरक्षण के पक्ष में बयान देता रहा है और चुनावी मजबूरियों के चलते पिछड़ों को स्थान देना शुरू किया। नरेंद्र मोदी का पिछड़ा होना सिर्फ वोट की राजनीति के लिए सुविधा बढ़ाने वाला साबित हुआ है, नजरिया बदलने वाला नहीं। पर जब राहुल की अगुवाई में लगभग पूरे विपक्ष और भाजपा के अंदर के पिछड़े तबके ने दबाव बनाया तो उसने देर से शुरू हुई जनगणना के साथ जातिवार गणना का प्रस्ताव भी स्वीकार कर लिया था। मगर एक बार जनगणना का शुरुआती हिसाब हो जाने के बाद जाति की गिनती जब शुरू होने वाली थी तो खबर आई कि जनगणना के फार्म में सीधे वही सूचना दर्ज कर ली जाएगी जो सामने वाला व्यक्ति अपनी जाति को लेकर कहेगा। इसमें न तो उससे कोई प्रमाण देने को कहा जाएगा और न ही सरकार अपने वर्गीकरण के हिसाब से उसकी जाति दर्ज करने की कोशिश करेगी।

दलितों के मामले में ऐसा नहीं है। वहां उनकी जाति अनुसूचित जातियों की सूची के हिसाब से दर्ज हो रही है। ऐसी गड़बड़ खास तौर से ओ.बी.सी. वर्ग के साथ हो रही है, जिनकी संख्या का हिसाब ही राजनीति, अर्थनीति और समाज नीति के हिसाब से सबसे महत्वपूर्ण है।

गंडक नदी में नेपाल से बहकर आए 3 शव मिले

संवाददाता–महराजगंज। नेपाल में आई बाढ़ के बीच गुरुवार दोपहर बाद महराजगंज के गंडक नदी में बहकर आए तीन शव भारतीय क्षेत्र में मिले। इनमें दो महिलाओं के शव हैं। एसएसबी की रेस्क्यू टीम ने मोटरबोट की मदद से नदी से तीनों शवों को बाहर निकाला और जिला मुख्यालय स्थित मर्चरी हाउस भेज दिया। एसएसबी की टीम गंडक नदी के तटीय इलाकों में लगातार निगरानी और राहत–बचाव कार्य कर रही थी। इसी दौरान जवानों ने नदी के तेज बहाव में कुछ शवों को बहते देखा। टीम ने तत्काल मोटरबोट से नदी में पहुंचकर शवों को सुरक्षित बाहर निकाला।

फिलहाल तीनों शवों की पहचान नहीं हो सकी है। पहचान के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। एसएसबी और प्रशासन की ओर से नेपाल के संबंधित अधिकारियों से भी संपर्क किया जा रहा है, ताकि मृतकों की पहचान होने पर उनके परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके। एसएसबी इंस्पेक्टर अरुण पांडेय ने बताया कि अब तक नेपाल की ओर से गंडक नदी में बहकर आए तीन शव बरामद किए जा चुके हैं। नेपाल में आई भीषण बाढ़ के कारण नदी का बहाव तेज है। ऐसे में आने वाले समय में और शव भारतीय क्षेत्र में बहकर आने की आशंका है। इसे देखते हुए एसएसबी की रेस्क्यू टीम नदी और आसपास के तटीय इलाकों में लगातार निगरानी कर रही है। स्थानीय प्रशासन भी नदी के जलस्तर और बहाव पर नजर बनाए हुए है। नदी किनारे रहने वाले ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

जर्जर लाइनें दुरुस्त हों, खराब ट्रांसफार्मर तुरंत बदलें, शिकायतों का हो त्वरित निस्तारण –सांसद

संवाददाता–बहराइच। विकास भवन सभागार में गुरुवार दोपहर सांसद डॉ. आनन्द कुमार गोंड की अध्यक्षता में जिला विद्युत समन्वय समिति की बैठक हुई। इसमें जिले की विद्युत व्यवस्था, विभिन्न योजनाओं की प्रगति, बिजली आपूर्ति और उपभोक्ता सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। अधीक्षण अभियंता विद्युत नवीन चन्द्र प्रसाद ने आरडीएसएस, बिजनेस प्लान और एलओएच के तहत जिले में चल रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन और विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे कार्यों से समिति को अवगत कराया।

सांसद डॉ. गोंड ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्युत आपूर्ति में अनावश्यक बाधा नहीं आनी चाहिए। उन्होंने जर्जर विद्युत लाइनों का शुद्ढ़ीकरण कराने, खराब ट्रांसफार्मरों को जल्द बदलने और उपभोक्ताओं की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण करने को कहा।

सांसद ने कहा कि विद्युत विभाग की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सुविधा मिले, इसके लिए अधिकारी लगातार निगरानी करें। उन्होंने जनहित से जुड़े कार्यों में किसी तरह की अनावश्यक देरी नहीं करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, एमएलसी पदमसेन चौधरी, महसी विधायक सुरेश्वर सिंह, नानपारा विधायक राम निवास वर्मा, कैसरगंज विधायक आनन्द यादव, सदर विधायक अनुपमा जायसवाल के प्रतिनिधि अशोक जायसवाल और भाजपा जिला महामंत्री रणविजय सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने अपने–अपने क्षेत्रों की विद्युत समस्याएं सामने रखीं और आपूर्ति व्यवस्था में सुधार की मांग की। मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंत सहित अन्य अधिकारियों ने विभागीय कार्यों की जानकारी दी। अधीक्षण अभियंता ने जनप्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए निर्देशों का प्रभावी अनुपालन कराया जाएगा। विद्युत व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ और उपभोक्ता हितैषी बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे। बैठक में अधिशासी अभियंता प्रवेश कुमार, राम शब्द, अनूप कुमार सहित सभी उपखंड अधिकारी और अवर अभियंता मौजूद रहे।

इराक से लौटे युवक की करंट से मौत

संवाददाता–देवरिया। देवरिया जिले के बरियारपुर थाना क्षेत्र के घटैला चेती गांव में गुरुवार दोपहर एक बजे एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। 25 वर्षीय युवक टेबल फैन चालू करते समय करंट की चपेट में आ गया था। परिजन उसे तत्काल महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटैला चेती गांव निवासी भुआल यादव (25) पुत्र स्व. रामकेवल यादव दोपहर करीब एक बजे अपने घर में टेबल फैन चालू कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें करंट लग गया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

चिकित्सकों की सूचना पर सदर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार और रिश्तेदार मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी पहुंच गए। मृतक के चाचा सुरेंद्र यादव समेत परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल था।

परिजनों के अनुसार, भुआल यादव पहले इराक में मजदूरी करते थे। लगभग 18 माह पहले वह शादी के लिए गांव लौटे थे। करीब 14 माह पहले उनकी शादी गुड़िया से हुई थी। वर्तमान में उनकी पत्नी गुड़िया छह माह की गर्भवती हैं। पति की अचानक मौत से वह सदमे में हैं।

युवक की मौत की खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। आसपास के लोग मृतक के घर पहुंचे और शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया। पुलिस ने मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सिया जू झूल रही बगिया में' से गूंज रही अयोध्या

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामनगरी में इन दिनों सावन की रिमझिम फुहारों के बीच झूलनोत्सव का उल्लास अपने चरमोत्कर्ष पर है। मंदिरों में झूलों पर विराजमान युगल सरकार के मनोहारी स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो रहे हैं। कहीं कजरी की मधुर तान गूंज रही है तो कहीं पारंपरिक पदों के गायन से वातावरण भक्तिरस में सराबोर है। इसी क्रम में भागलपुर मंदिर में भी झूलनोत्सव की अनुपम छटा देखते ही बन रही है।सिया जू झूल रही बगिया में, दशरथ राजकुमार के संग...' जैसे मधुर पदों के गायन से ठाकुर जानकी वल्लभ कुंज भागलपुर मंदिर का परिसर गुंजायमान हो रहा है। महंत नवल किशोर दास के संयोजन में चल रहे झूलन महोत्सव में देश के विभिन्न कोनों से आए कलाकार अपनी मनोहारी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। भक्ति, संगीत और श्रृंगार के इस अद्भुत संगम से मंदिर परिसर में सावन की आध्यात्मिक आभा और भी निखर उठी है। महंत नवल किशोर दास महाराज ने बताया कि मंदिर में झूलनोत्सव की परंपरा सदियों पुरानी है। पूर्वाचार्यों द्वारा निर्धारित परंपराओं एवं नियमों का अनुसरण करते हुए गुरुदेव भगवान के सान्निध्य में श्रावण मास की एकादशी से झूलनोत्सव का शुभारंभ होता है, जो पूर्णिमा तक अनवरत चलता है। इस दौरान ठाकुरजी को विविध प्रकार से सजाए गए झूलों पर विराजमान कर भक्ति–पदों एवं सावनी गीतों के बीच झुलाया जाता है।उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन मर्यादा, त्याग और आदर्श का अनुपम संदेश देता है। झूलनोत्सव केवल आनंद और उत्सव का पर्व नहीं, बल्कि सनातन परंपराओं को पीढ़ी–दर–पीढ़ी जीवंत रखने का माध्यम भी है। भगवान श्रीराम की मर्यादा को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए सभी को सनातन धर्म, संस्कृति और संस्कारों के संरक्षण एवं प्रचार–प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए।रामनगरी में चल रहे झूलनोत्सव का उल्लास अब अंतिम पड़ाव पर है। श्रावण मास की पूर्णिमा को अयोध्या के अधिकांश मंदिरों में झूलनोत्सव का समापन होगा। इसके साथ ही सावन भर गूंजते रहे कजरी, पद और भक्ति गीतों का यह मधुर सिलसिला विराम लेगा, लेकिन श्रद्धालुओं के हृदय में झूलनोत्सव की भक्ति और आनंद की स्मृतियां लंबे समय तक अंकित रहेंगी।

यूपी में सत्ताईस की तैयारी पर भारी न पड़ जाए गुटबाजी

संवाददाता–देवरिया। यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा सत्ताईस की तैयारी में जोर–शोर से जुटी हुई है। इस बीच अयोध्या, कानपुर के बाद देवरिया में नेताओं कार्यकर्ताओं की आपसी भिड़ंत ने पार्टी को सकते में डाल दिया है। बेहद अनुशासित मानी जाने वाली भाजपा इन दिनों अपनी गुटबंदी को लेकर चर्चा में है। पहले अयोध्या, फिर कानपुर और अब देवरिया में पार्टी के नेता और कार्यकर्ता खुलेआम भिड़ गए। जूता–चप्पल से लेकर लाठी–डंडा भी चल गया। इससे पार्टी सकते में है। अब कहा जा रहा है कि रार नहीं थमी तो यह गुटबंदी 2027 पर भारी पड़ सकती है। देवरिया में एक दो नहीं बल्कि कई खेमों में पार्टी बंटी हुई दिख रही है। कई दिग्गज तो एक दूसरे को पटखनी देने के लिए अपने स्तर से बड़े–बड़े दांव भी लगा रहे हैं। पिछले दिनों संगठन के विस्तार में उपेक्षा के चलते भी एक खेमे की नाराजगी बढ़ी है। भाजपा के सोशल मीडिया राष्ट्रीय सहसंयोजक शिवानंद द्विवेदी के स्वागत कार्यक्रम के दौरान मंगलवार को जो कुछ हुआ उसकी कल्पना भी किसी ने नहीं की होगी। एक पूर्व सांसद और ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि के खेमों ने पार्टी का अनुशासन तार–तार कर दिया। पार्टी के झण्डे और डंडे से एक दूसरे पर हुआ हमला अप्रत्याशित था। इस घटना ने विरोधी दलों को भी भाजपा पर हमला करने का मौका दे दिया है। सोशल मीडिया पर सपा समेत कई दलों के नेताओं ने इस पर अपनी भंड़ास निकाली है। इस स्थिति को देख भाजपा के कुछ नेता जहां परेशान हैं वहीं कुछ ऐसे लोग भी हैं जो इसमें अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने की फिराक में हैं। फिलहाल भाजपा के सामान्य कार्यकर्ताओं को इस मामले में पार्टी नेतृत्व के अगले कदम का इंतजार है। पिछले करीब एक साल से भाजपा में खेमेबंदी तेजी से बढ़ी है। जिले की सभी सातों विधानसभा सीटों पर भाजपा का कब्जा है। इन सीटों पर जहां वर्तमान विधायक स्वभाविक दावेदार माने जा रहे हैं वहीं सभी सीटों पर नए दावेदारों की एक बड़ी तादाद भी उभरी है। दावेदारों के इस खेमे में शामिल नेता खुद को मजबूत दिखाने के लिए हर हथकण्डा अपना रहे हैं। कई विधानसभा क्षेत्रों में दावेदारों की इस फौज के चलते पार्टी के लिए असहज स्थिति उत्पन्न हो गई है। सूत्रों का कहना है कि मंगलवार को दो खेमों में हुई मारपीट की घटना के बाद वायरल हो रहे वीडियो की जांच के आधार पर पार्टी आगे की कार्रवाई करेगी। यह वीडियो पार्टी नेतृत्व तक पहुंच चुका है। सूत्रों का यह भी दावा है कि भाजपा इस पूरे प्रकरण की अपने स्तर से जांच कराने के मूड में है। जांच कमेटी में बाहर के कुछ बड़े पदाधिकारी शामिल हो सकते हैं। माना जा रहा है कि 29 अगस्त को मुख्यमंत्री के दौरे के बाद पार्टी इस संबंध में कुछ निर्णय लेगी। फिलहाल पार्टी का सारा जोर सलेमपुर विधानसभा क्षेत्र के मझौलीराज में प्रस्तावित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम को सफल बनाने पर है। भाजपा के जिलाध्यक्ष काली प्रसाद का कहना है कि स्वागत कार्यक्रम के दौरान जो कुछ भी हुआ वह ठीक नहीं था। इसके लिए जो लोग भी जिम्मेदार हैं उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए मैं अपने स्तर से पार्टी के संगठन महामंत्री और प्रदेश अध्यक्ष को पत्र लिखूंगा। पार्टी में गुटबंदी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भाजपा अपने अनुशासन के लिए जानी जाती है और यह अनुशासन बना रहेगा।

आरएसएस ने बलरामपुर में मनाया रक्षाबंधन

संवाददाता–बलरामपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) बलरामपुर नगर द्वारा एमएलके पीजी कॉलेज सभागार में गुरुवार सुबह 10 बजे रक्षाबंधन उत्सव मनाया गया। रक्षाबंधन के सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। स्वयंसेवकों और मातृशक्ति ने एक–दूसरे की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधे। इस दौरान सामाजिक समरसता, आपसी विश्वास और कर्तव्यबोध का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग संघचालक सौम्य अग्रवाल ने की। मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर के कुलपति प्रो. रवि शंकर सिंह मुख्य वक्ता थे। प्रो. सिंह ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई–बहन के प्रेम और भौतिक सुरक्षा का पर्व नहीं है। यह जन्म–जन्मांतर के आध्यात्मिक संकल्प और भारतीय जीवन दर्शन की गहरी अवधारणाओं का प्रतीक है।उन्होंने आगे कहा कि बहन द्वारा भाई की कलाई पर बांधा जाने वाला रक्षासूत्र केवल एक धागा नहीं है। यह स्नेह, विश्वास, समर्पण और संकल्प का प्रतीक है।

इसके माध्यम से भाई, बहन की रक्षा, सम्मान और सुरक्षा का संकल्प लेता है। प्रो. सिंह ने जोर दिया कि रक्षाबंधन का भाव केवल बाहरी सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें आत्मिक और आध्यात्मिक चेतना भी निहित है। प्रो. सिंह ने कर्म सिद्धांत की व्याख्या करते हुए गोस्वामी तुलसीदास की चौपाई 'कर्म प्रधान विश्व कर राखा' का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि भारतीय चिंतन परंपरा मूल रूप से कर्मप्रधान रही है मनुष्य अपने कर्मों के माध्यम से जीवन की दिशा निर्धारित करता है और उसके कर्मों का प्रभाव उसके जीवन पर पड़ता है। उन्होंने सनातन दर्शन में आत्मा की अवधारणा पर भी प्रकाश डाला। उनके अनुसार, शरीर नश्वर है, जबकि आत्मा को सनातन और अविनाशी माना गया है।भारतीय ऋषि परंपरा में आत्मा की यात्रा और पुनर्जन्म की अवधारणा का विस्तार से वर्णन मिलता है। कर्मों के आधार पर जीव विभिन्न योनियों में जन्म लेता है और यह यात्रा निरंतर चलती रहती है।

प्रो. सिंह ने निष्कर्ष निकाला कि रक्षाबंधन इसी सनातन चिंतन की सुंदर अभिव्यक्ति है। भाई–बहन का पवित्र रिश्ता केवल वर्तमान जीवन तक सीमित नहीं माना जाता, बल्कि इसे आत्मा और चेतना के स्तर पर जुड़े पवित्र संबंध के रूप में भी देखा जाता है।

बजरंग दल प्रतिनिधिमंडल तमकुहीराज थाने पहुंचा, मारपीट के आरोपियों पर सख्त कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग

संवाददाता–कुशीनगर। नगर पंचायत तमकुहीराज के वार्ड संख्या–8 में हुई मारपीट की घटना के बाद गुरुवार को राष्ट्रीय बजरंग दल का एक प्रतिनिधिमंडल तमकुहीराज थाने पहुंचा। संगठन के पदाधिकारियों ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने थाना प्रभारी को बताया कि वार्ड संख्या–8 में सार्वजनिक पोल की लाइट बंद करने को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद पीड़ित परिवार के सदस्यों के साथ लाठी–डंडों और बेल्ट से मारपीट की गई, जिसमें परिवार के कई सदस्य घायल हो गए।बजरंग दल ने मांग की कि आरोपियों के खिलाफ सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उनकी शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। संगठन का कहना है कि इससे पीड़ित परिवार को न्याय मिल सकेगा।थाना प्रभारी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि पुलिस मामले की निष्पक्ष जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि इस प्रकरण में कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। उन्होंने सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई करने की बात कही।राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। उन्होंने कहा कि संगठन पीड़ित परिवार के साथ खड़ा रहेगा और न्याय मिलने तक उनका समर्थन करेगा।इस मारपीट की घटना का एक वीडियो स्थानीय लोगों ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया है। पूरे घटनाक्रम को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है और लोग पुलिस की आगामी कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं।

पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

संवाददाता–देवरिया। देवरिया जिले के तरकुलवा थाना क्षेत्र के कंचनपुर गांव के पास नहर किनारे गुरुवार की सुबह एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटकता मिला। खेत की ओर गए ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया।

कंचनपुर गांव निवासी राजेश प्रसाद (42) पुत्र वीरन घर पर रहकर खेती–बाड़ी करता था। परिजनों के अनुसार बुधवार देर शाम वह घर लौटा था। भोजन करने के बाद किसी बात को लेकर घर में कहासुनी हुई थी। इसके बाद गुरुवार सुबह उसका शव नहर किनारे एक पेड़ पर साड़ी के फंदे से लटकता मिला। ग्रामीणों ने इसकी सूचना परिजनों और पुलिस को दी। शव मिलने की खबर से पत्नी और चार बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया।

घटना को लेकर गांव में भी तरह–तरह की चर्चाएं होती रहीं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच–पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी भूपेंद्र सिंह ने बताया कि युवक का शव पेड़ से लटकता मिला है। पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सावन की फुहार, पाहुना झूला झूलय नाय, जनकपुर लागत तीज सुहाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। "सावन की परत फुहार, पाहुना झूला झूलय नाय... जनकपुर लागत तीज सुहाई, रंग–रंगीली अति छबीली, सब मिलि झूलन आई..." जैसे मधुर पदों से मां सरयू के पावन तट पर स्थित रसिक उपासना की आचार्य पीठ श्री लक्ष्मण किला गुंजायमान हो रही है। सावन शुक्ल पक्ष की तृतीया से शुरू हुआ झूलनोत्सव अब अपने चरम पर पहुंच गया है। मंदिर में विराजमान श्री रसिकेन्द्र बिहारी–विहारिणी जू सरकार प्रतिदिन सायंकाल झूले पर विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दे रहे हैं।श्री लक्ष्मण किला में सजने वाली आध्यात्मिक संगीत की यह महफिल 28 अगस्त, श्रावण पूर्णिमा तक चलेगी। शाम होते ही मंदिर परिसर में भक्ति और संगीत का अनूठा संगम दिखाई देता है। मधुर पदों, कजरी और भक्ति गीतों की गूंज मंदिर परिसर के साथ आसपास के मोहल्लों तक सुनाई देती है। देश के विभिन्न हिस्सों से आए संत–महंत, श्रद्धालु और भक्त इस अनुपम आयोजन में शामिल होकर भाव–विभोर हो रहे हैं।

श्री लक्ष्मण किलाधीश महंत मैथिली रमण शरण महाराज ने बताया कि मंदिर की परंपरा के अनुसार सावन शुक्ल पक्ष की तृतीया से झूलन महोत्सव का शुभारंभ होता है। प्रतिदिन दर्जनों कलाकार ठाकुर जी के समक्ष अपनी कला की प्रस्तुति देते हैं। यह उत्सव ठाकुर जी को प्रसन्न करने और उन्हें अपने मधुर पदों एवं संगीत से रिझाने के भाव से आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह परंपरा कितनी पुरानी है, इसका निश्चित रूप से कहना कठिन है, लेकिन रसिक भक्तों के लिए यह महोत्सव अपने आराध्य को रिझाने और भक्ति में डूबने का विशेष अवसर प्रदान करता है।श्री लक्ष्मण किला के अधिकारी सूर्य प्रकाश शरण ने बताया कि झूलनोत्सव के दौरान प्रतिदिन देर रात तक मंदिर में भक्ति की रसधारा बहती है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर ठाकुर जी के झूलन दर्शन करते हैं और भक्ति संगीत का आनंद लेते हैं। उन्होंने बाहर से आने वाले सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का स्वागत–सत्कार किया।

महाराजा देवी बक्श सिंह की प्रतिमा का अनावरण

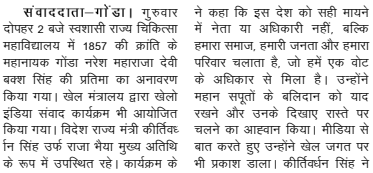

संवाददाता–गोंडा। गुरुवार दोपहर 2 बजे स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में 1857 की क्रांति के महानायक गोंडा नरेश महाराजा देवी बक्श सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया गया। खेल मंत्रालय द्वारा खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह उर्फ राजा भैया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विदेश राज्य मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन में भाग लिया और उनके भाषण को सुना। इसके बाद उन्होंने जिले के सभी विधायकों के साथ मिलकर महाराजा देवी बक्श सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया, जिसे जिले के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात माना जा रहा है। इसी कार्यक्रम में झारखंड के रोहन कुमार महतो को सम्मानित किया गया। लखनऊ में प्रशिक्षण ले रहे रोहन ने कॉमनवेल्थ गेम्स अहमदाबाद में वेटलिफ्टिंग में रजत पदक जीता था। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने उन्हें मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि इस देश को सही मायने में नेता या अधिकारी नहीं, बल्कि हमारा समाज, हमारी जनता और हमारा परिवार चलाता है, जो हमें एक वोट के अधिकार से मिला है। उन्होंने महान सपूतों के बलिदान को याद रखने और उनके दिखाए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने खेल जगत पर भी प्रकाश डाला। कीर्तिवर्धन सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खेल जगत में देश का नाम रोशन करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं, जिसका लाभ मिल रहा है। पदकों की संख्या लगातार बढ़ रही है और केंद्र सरकार युवाओं को हर तरह का प्रोत्साहन, बजट और संसाधन उपलब्ध करा रही है ताकि वे विभिन्न खेलों में भाग ले सकें।वहीं हुर्मुज पर जहाजों पर हुए हमले को लेकर कहा कि जब भी कोई घटना होती है भारत हमेशा स्टैंड लेता है हम लोग संदेश भी देते हैं उसको रोकने के लिए उसे पर हम लोग बात भी करते हैं। हमारा भारत देश किसी भी देश के दबाव में नहीं है यह बात आज आप जान लीजिए।

नेपाल में फ्लड, प्रशासन अलर्ट राप्ती के जलस्तर पर नजर, डीएम ने सिसवारा पुल–दोंदरा तटबंध का किया निरीक्षण

संवाददाता–श्रावस्ती। नेपाल के पहाड़ी इलाकों में फ्लैश फ्लड की खबरों के बाद राप्ती नदी के जलस्तर पर प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। प्रशासन ने बृहस्पतिवार 8 बजे जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार सुबह आठ बजे राप्ती बैराज पर नदी का जलस्तर 127.100 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान से लगभग 60 सेंटीमीटर नीचे है।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लगातार जलस्तर की निगरानी कर रहा है। प्रशासन के मुताबिक फिलहाल, नेपाल में हुई घटना के कारण राप्ती के जलस्तर में किसी बड़ी वृद्धि की संभावना नहीं जताई गई है। विषम परिस्थिति में अलर्ट जारी किया जाएगा।

संभावित बाढ़ और कटान से निपटने की तैयारियों का जायजा लेने के लिए खंड अन्नपूर्णा गर्ग ने बुधवार को गिलौला विकासखंड के सिसवारा घाट स्थित पुल के एप्रोच रोड का स्थलीय निरीक्षण किया था। उन्होंने सड़क की स्थिति और कटान की संभावनाओं का आकलन करते हुए अधिकारियों को मार्ग को क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।

डीएम ने नदी किनारों पर हो रहे कटाव को रोकने के लिए आवश्यक सामग्री की उपलब्धता करने के निर्देश दिए। उन्होंने जियो शीट और बांस क्रैट जैसे कटानरोधी उपायों का उपयोग कर एप्रोच रोड को संभावित

बाढ़ के दौरान सुरक्षित रखने पर जोर दिया।

उन्होंने यह भी कहा कि कटानरोधी कार्यों में बाढ़ खंड से तकनीकी सहयोग लिया जाए और सभी आवश्यक कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जाएं।

डीएम ने भिनगा तहसील क्षेत्र में नवनिर्मित दोंदरा तटबंध का भी निरीक्षण किया। बाढ़ कार्य खंड के अधिशासी अभियंता ने बताया कि तटबंध के गैप को पूरा कर लिया गया है और इसका निर्माण उच्चतम बाढ़ स्तर तक किया जा चुका है। हालांकि, फ्री बोर्ड की ऊंचाई के लिए मिट्टी भराई का कुछ कार्य अभी बाकी है।

जिलाधिकारी ने तटबंध की ऊंचाई बढ़ाने से संबंधित शेष कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। प्रशासन का मुख्य जोर राप्ती नदी के जलस्तर की लगातार निगरानी के साथ–साथ संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा इंतजामों को मजबूत करने पर है, ताकि संभावित बाढ़ और कटान की स्थिति में स्थानीय निवासियों को कम से कम परेशानी हो।

सर्पदंश से महिला की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। सर्पदंश में महिला की मौत जमुनहा,संवाददाता। जमुनहा निवासी महिला को मंगलवार देर शाम सर्प ने डस लिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों से शव को गांव लाकर अंतिम संस्कार कर दिया है। मल्हीपुर थाना क्षेत्र में ग्राम झिरझिरवा के मजरा छोटी बधनी जमुनहा निवासी नीलम देवी वर्मा (54) पत्नी राधेश्याम वर्मा मंगलवार देर शाम मवेशी के लिए भुसैला से भूसा भरने गई थी।

45 मुकदमे, 75 हजार का इनाम, पुलिस के हत्थे चढ़ा गुड्डू दाढ़ी

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर जिले के पीपीगंज थाना क्षेत्र के भरोहिया निवासी शातिर अपराधी गुड्डू दाढ़ी उर्फ गुड्डू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। करीब 45 वर्षीय गुड्डू पर गोरखपुर में 50 हजार और सिद्धार्थनगर में 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। संतकबीरनगर की अदालत उसे मफरूर घोषित कर चुकी है। उसके खिलाफ गोरखपुर समेत आस पास के जिलों में करीब 45 मुकदमे दर्ज हैं। अन्य जिलों के मुकदमों का ब्योरा पुलिस जुटा रही है। पुलिस के अनुसार, गुड्डू के आपराधिक इतिहास में हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और गैंगस्टर एक्ट के मामले शामिल हैं। पीपीगंज थाने में वर्ष 2004 से उसके खिलाफ लगातार मुकदमे दर्ज होते रहे हैं। इनमें वर्ष 2004 का हत्या, मारपीट और घर में घुसने से संबंधित मुकदमा, वर्ष 2005 में लूट, चोरी और आर्म्स एक्ट के मामले तथा वर्ष 2008 का हत्या, साक्ष्य मिटाने और अपहरण से संबंधित मुकदमा शामिल है। इसके अलावा वर्ष 2009 में पीपीगंज थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। वर्ष 2016 में आर्म्स एक्ट और वर्ष 2023 में लूट, चोरी और गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे दर्ज हुए। वर्ष 2023 के लूट के मामले में पुलिस ने आरोपपत्र 24 अप्रैल 2023 को न्यायालय भेजा था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ गोरखपुर के अलावा अन्य जिलों में भी मुकदमे दर्ज हैं। उनका विवरण संकलित किया जा रहा है। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक पुरुषोत्तम आनंद और पीपीगंज थाने की पुलिस टीम शामिल रही।

सीएम योगी रक्षाबंधन पर देंगे 117 करोड़ की 139 परियोजनाओं की सौगात

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 29 अगस्त को नगर निगम की 117.14 करोड़ रुपये की 139 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। योगी 47.15 करोड़ रुपये की 109 नई परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। वहीं, 69.99 करोड़ रुपये की पूरी हो चुकी 30 परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पित एवं शिलान्यास होने वाली परियोजनाओं में सड़क और नाली निर्माण से लेकर पार्कों का सुंदरीकरण, स्ट्रीट लाइट, जलापूर्ति, सीवर और जलभराव से राहत के काम शामिल हैं। उधर, राप्तीनगर मौजा बशारतपुर में प्रस्तावित समारोह की तैयारियां गोरखपुर प्राधिकरण ने तेज कर दी हैं। लोकार्पण होने वाले 30 कार्यों पर 69.99 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इनमें सबसे बड़ा हिस्सा पेयजल परियोजनाओं का है। राज्य सेक्टर कार्यक्रम के तहत 39.90 करोड़ रुपये से विभिन्न वार्डों में पाइपलाइन विस्तार, नलकूप स्थापना और इंडिया मार्क–2 हैंडपंपों की रीबोरिंग के 29 कार्य पूरे किए गए हैं। बाढ़ और जलभराव से राहत के लिए 30.09 करोड़ रुपये से राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि से बाढ़ पंपिंग स्टेशनों की क्षमता बढ़ाने और उन्हें सुदृढ़ कराया है।

माथाबारी गांव पहुंचे वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल, बोले– सही दिशा चुनिए, वरना तेज दौड़कर भी मंजिल गलत मिलेगी

संवाददाता–गोरखपुर। सही दिशा में चलिए। अगर दिशा गलत है तो कितना भी तेज चलेंगे या दौड़ेंगे, पहुंचेंगे गलत जगह ही।"स सरस्वती गुरुकुल माथाबारी में गुरुवार को विद्यार्थियों के बीच पहुंचे एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने बच्चों को सफलता से ज्यादा सही दिशा और अच्छे संस्कारों का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि गिरना गलत बात नहीं है, लेकिन गिरकर उठना और दोबारा कोशिश करना जरूरी है। बच्चों ने उनका स्वागत जयघोष और 'जय हिंद' के उद्घोष से किया। एयर चीफ मार्शल ने कहा कि बच्चों के रूप में देश का भविष्य उनके सामने बैठा है। बड़े होकर किसी को फौज में जाना है, किसी को नेवी या एयरफोर्स में, कोई डॉक्टर, इंजीनियर, आइएएस या आरपीएस बन सकता है। जो बनना चाहते हैं, वह बनिए, लेकिन इससे पहले अच्छा इंसान बनना है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अपने लक्ष्य के लिए परिश्रम करें और यहां मिलने वाली शिक्षा व संस्कारों को जीवन में उतारें। बच्चों को पेड़ का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि पेड़ की मजबूती उसकी जड़ों से होती है। उसी तरह मनुष्य की नींव उसके संस्कार और शिक्षा से मजबूत होती है। इसलिए गुरुकुल में जो सिखाया जा रहा है, उसे अच्छी तरह सीखना चाहिए। उन्होंने बच्चों को आपस में तुलना न करने की सीख भी दी। कहा कि कोई लंबा है, कोई छोटा है, किसी की क्षमता अलग है तो किसी की अलग। इन बातों पर ध्यान देने के बजाय अपने लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए। जीवन में सफलता हासिल कर लेने के बाद भी जिम्मेदारी खत्म नहीं होती। देश और समाज ने हमें बड़ा बनाया है, इसलिए बड़े होकर देश और समाज को कुछ देना भी है।

देश सेवा केवल वर्दी पहनकर ही नहीं होती, अपने क्षेत्र में ईमानदारी और जिम्मेदारी से काम करना भी समाज और राष्ट्र की सेवा है। एयर चीफ मार्शल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में वंदे मातरम् के उद्घोष के बीच विजय तिरंगा फहराया गया। पूरा परिसर 'जय हिंद' के जयघोष से गूंज उठा। सुबह 10रू30 बजे गुरुकुल में पहुंचे और चीफ मार्शल करीब डेढ़ घंटा तक रहे।

एयर चीफ मार्शल ने बच्चों से अपने जीवन का अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य डॉक्टर बनना था, लेकिन वह सेना में चले गए और आज उन्हें लगता है कि अच्छा हुआ कि उन्होंने सेना को चुना। उन्होंने कहा कि जीवन में केवल नंबर हासिल करना ही सफलता नहीं है। संस्कार और यह सीख ज्यादा महत्वपूर्ण है कि हम समाज और देश के लिए क्या कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि असफलता से घबराने की जरूरत नहीं है। गिरने के बाद उठना और लगातार प्रयास करते रहना ही आगे बढ़ने का रास्ता है।

इससे पहले संस्कृति गुरुकुल के निदेशक संजय सिंह ने एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह और मैडम सरिता सिंह का स्वागत किया। उन्होंने बच्चों से जीवन में उद्देश्य तय करने की अपील की। भगत सिंह का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जीवन की सार्थकता उसके उद्देश्य से तय होती है। उन्होंने कहा कि बच्चों से बचपन से पूछा जाता है कि बड़े होकर क्या बनोगे। जो सपना है, वही नाम के आगे लिखिए। लेकिन कपड़ों या डिग्री से कोई महान नहीं बनता, चरित्र व्यक्ति को महान बनाता है।

डिग्री तो खर्चे का हिसाब है, इल्म किरदार में दिखाई देता है। उन्होंने उस्ताद बिस्मिल्लाह खां का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि जीवन में बाहरी दिखावे से ज्यादा चरित्र महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपने जीवन का प्रसंग भी साझा किया कि 13 वर्ष की उम्र में पिता का निधन हो गया था, लेकिन कठिन परिस्थितियों में भी जीवन को उद्देश्य के साथ आगे बढ़ाया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों से माहौल को भावविभोर कर दिया। बच्चों ने पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से लेकर आपरेशन सिंदूर तक के घटनाक्रम को नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से जीवंत किया। आतंकियों के हमले और भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई के साथ एयर स्ट्राइक में आतंकी ठिकानों को नष्ट किए जाने का मंचन किया गया। देश की रक्षा करते हुए प्राण न्योछावर करने वाले जवानों के बलिदान को भी प्रस्तुति में दिखाया गया। 'जब जीरो दिया मेरे भारत ने' और 'है प्रीत जहां की रीत सदा, मैं गीत वहां के गाता हूं' जैसे देशभक्ति गीतों पर विद्यार्थियों ने प्रस्तुति दी। मराठा शौर्य में छत्रपति शिवाजी के पराक्रम को जीवंत किया गया। रानी लक्ष्मीबाई के विद्रोह और संघर्ष को 'भाग–भाग रे फिरंगी' गीत के साथ प्रस्तुत किया गया। क्रांतिकारियों की गाथा और वीर जवानों के बलिदान ने पूरे परिसर को देशभक्ति से भर दिया।

3 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर, सील जनता सेवा हास्पिटल मामले में जांच तेज, भाई ने पुलिसकर्मियों पर लगाया था वसूली का आरोप

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। इटवा के जनता सेवा हॉस्पिटल में सरकारी सील टूटने और कथित तौर पर सील काटने का वीडियो सामने आने के बाद अब मामला पुलिसकर्मियों पर लगे आरोपों तक पहुंच गया है। राकेश यादव के भाई राजेश कुमार यादव ने इटवा थाने में शिकायती पत्र देकर तीन पुलिसकर्मियों पर मारपीट, जबरन थाने ले जाने और वाहन में रखे रुपये को लेकर गंभीर आरोप लगाए। शिकायत के बाद एसपी डॉ. अभिषेक महाजन ने एलआईयू के सिपाही आकाश चौरसिया, कंप्यूटर ऑपरेटर विपुल राय और कांस्टेबल नरेंद्र देव चौहान को लाइनहाजिर कर दिया है। कार्रवाई की पुष्टि स्थानीय रिपोर्टों में भी हुई है।

शिकायती पत्र के अनुसार, 24 अगस्त की रात राकेश यादव अपनी बीमार मामी को दवा देने जनता सेवा हॉस्पिटल परिसर में संचालित एमए फार्मा मेडिकल एजेंसी पर गया था। राजेश यादव का आरोप है कि इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी को मौके पर बुलाया। नोडल अधिकारी के जांच के बाद चले जाने पर एलआईयू सिपाही आकाश चौरसिया, कंप्यूटर ऑपरेटर विपुल राय और कांस्टेबल नरेंद्र देव चौहान ने राकेश से पूछताछ की और विवाद बढ़ गया। शिकायत में मारपीट, गाली–गलौज, गले पर चोट पहुंचाने और जबरन थाने ले जाने के आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों की पुलिस जांच की जानी है। शिकायत में राकेश यादव को रात करीब 12 बजे से थाने में बैठाए रखने का भी आरोप लगाया गया। साथ ही उसके चारपहिया वाहन को थाने लाने और वाहन में रखे दो लाख रुपये की रकम को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। राजेश यादव ने घटनास्थल और थाने के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कराने, वाहन की जांच कराने और रकम की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। स्थानीय रिपोर्ट के अनुसार शिकायत में दो लाख रुपये के स्थान पर 85 हजार रुपये वापस मिलने का आरोप भी लगाया गया है।

हालांकि, पूरे घटनाक्रम की शुरुआत जनता सेवा हॉस्पिटल पर हुई स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई से हुई थी। 23 मई की रात सी–सेक्शन के दौरान नवजात की मौत के बाद अस्पताल जांच के घेरे में आया। जांच समिति ने अंतिम निर्णय तक ओपीडी और इमरजेंसी सेवाएं बंद रखने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अस्पताल में चिकित्सा गतिविधियां जारी रहने की शिकायत पर 27 जून की रात स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल को सील किया था। उस कार्रवाई में दो प्रसूताएं भर्ती मिली थीं, जिन्हें मेडिकल कॉलेज भेजा गया था। इसके बाद अस्पताल की जांच में 50 से अधिक चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की डिग्रियां, अलग–अलग लोगों के फोटो और 10 व 50 रुपये के 30 से अधिक स्टांप पेपर मिलने की बात सामने आई थी। मामला पहले से ही स्वास्थ्य विभाग की जांच में था। इसी बीच 24 अगस्त की रात सील किए गए अस्पताल की स्थिति फिर सामने आई। स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो अस्पताल की सील टूटी मिली। अंदर ऑपरेशन से जुड़े औजार, खून के निशान वाली सामग्री और रूई मिलने की बात सामने आई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अस्पताल में हाल में चिकित्सा गतिविधि होने के संकेत मिले। इसी घटनाक्रम के बीच सील काटते राकेश यादव का वीडियो भी सामने आया, जिसमें वह सील के साथ छेड़छाड़ करता दिखाई दे रहा है। हालांकि वायरल वीडियो की तकनीकी जांच और घटनाक्रम की विस्तृत पुष्टि जांच का विषय है।

स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. मानवेंद्र पाल ने बताया कि सील टूटी मिली थी और मामले में कार्रवाई की जा रही है। बाद में स्वास्थ्य विभाग ने पुलिस को तहरीर देकर अस्पताल के प्रबंधक–संचालक तथा परिसर में संचालित एमए फार्मा मेडिकल एजेंसी के प्रबंधक–संचालक के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति भी की है।

मालखाने से सोना–नकदी गायबः पूर्व हेड मोहर्रिर के 3 बैंक खाते सीज, 1.32 लाख रुपए सैलरी खाते में

संवाददाता–संतकबीर नगर। खलीलाबाद कोतवाली के मालखाने से 427 ग्राम गला हुआ सोना, नकदी और नेपाली नोट गायब होने के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे पूर्व हेड मोहर्रिर राधेश्याम गुप्ता के खिलाफ आर्थिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपी के सैलरी खाते समेत तीन बैंक खाते सीज कर दिए हैं। इनमें खलीलाबाद स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा का सैलरी खाता शामिल है, जिसमें करीब 1.32 लाख रुपए जमा बताए गए हैं। इसके अलावा गोरखपुर के पादरी बाजार स्थित पंजाब नेशनल बैंक के दो खातों को भी सीज कराया गया है। पुलिस आरोपी की संपत्ति, बैंक खातों और वित्तीय लेन–देन की भी जांच कर रही है। वहीं गिरफ्तारी के लिए एसओजी, सर्विलांस और कोतवाली पुलिस की कई टीमें गोरखपुर, कुशीनगर, बहराइच समेत कई जिलों में दबिश दे रही हैं। मामला वर्ष 2018 में खलीलाबाद के मोतीनगर निवासी मोहम्मद अजीम खान की ओर से दर्ज कराए गए जालसाजी के मुकदमे से जुड़ा है। उस समय पुलिस ने मामले में 427 ग्राम गला हुआ सोना, 49,518 रुपए नकद और 14 नेपाली नोट बरामद किए थे। बरामद माल को मालखाने में जमा कराया गया था। करीब तीन महीने पहले मोहम्मद अजीम खान ने न्यायालय में बरामद माल रिलीज कराने के लिए आवेदन किया। कोर्ट ने इस संबंध में खलीलाबाद कोतवाली पुलिस से आख्या मांगी। इसके बाद वर्तमान हेड मोहर्रिर गोविंद शरण ने मालखाना रजिस्टर और संबंधित अभिलेखों की जांच की।

जांच के दौरान पता चला कि न्यायालय में दर्ज बरामद माल मालखाने में मौजूद ही नहीं है। इसकी जानकारी तत्काल कोतवाल जयप्रकाश दूबे को दी गई। कोतवाल की रिपोर्ट के बाद एसपी संदीप कुमार मीना ने एएसपी सुशील कुमार सिंह से मामले की जांच कराई। जांच में प्रथम दृष्टया तत्कालीन हेड मोहर्रिर राधेश्याम गुप्ता की भूमिका सामने आई। इसके बाद उनके खिलाफ गबन का मुकदमा दर्ज किया गया। उस समय राधेश्याम गुप्ता की तैनाती बहराइच में थी। मामला सामने आने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया। पुलिस तभी से उनकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा है। वह मोबाइल समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का इस्तेमाल भी नहीं कर रहा है। इसके चलते उसकी लोकेशन ट्रेस करने में पुलिस को परेशानी हो रही है। एसओजी, सर्विलांस और कोतवाली पुलिस की टीमें गोरखपुर, कुशीनगर, बहराइच समेत कई जिलों में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस को आशंका है कि आरोपी नेपाल में भी शरण ले सकता है।

पुलिस ने आर्थिक गतिविधियों की जांच के दौरान आरोपी के सैलरी खाते के अलावा उसकी बेटियों के नाम से संचालित बताए जा रहे दो बैंक खातों को भी सीज कराया है। गोरखपुर के पादरी बाजार स्थित पंजाब नेशनल बैंक में अविका गुप्ता और सनयम गुप्ता के नाम से संचालित खातों को सीज किए जाने की जानकारी पुलिस ने दी है। पुलिस अब इन खातों में हुए लेन–देन की भी जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि मालखाने से गायब सोने और नकदी से संबंधित कोई वित्तीय गतिविधि हुई थी या नहीं।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने अपने करीबी और अधिवक्ता के माध्यम से जिला एवं सत्र न्यायालय में अग्रिम जमानत की अर्जी लगाई थी। अदालत ने उसकी अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी। इसके बाद अब अग्रिम जमानत के लिए मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है।

20 वर्षीय युवक का शव पेड़ से लटका मिला

संवाददाता–संतकबीर नगर। शौच के लिए घर से निकले 20 वर्षीय युवक का शव गुरुवार की सुबह बाग में जामुन के पेड़ से साड़ी के फंदे के सहारे लटका मिला। पुलिस शव को कब्जे में लेकर छानबीन कर रही है। घटना थाना क्षेत्र के नगर पंचायत हैंसर बाजार–धनघटा के वार्ड नंबर 17 की है। यहां के निवासी 20 वर्षीय गौतम साहनी पुत्र स्व. सजीवन साहनी बुधवार की रात बाजार से घर पहुंचा था। कुछ देर बाद वह शौच जाने की बात कहकर घर से बाहर निकला। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।

गुरुवार की सुबह आर्य गौरव इंटर कालेज हैंसर के समीप स्थित बाग की ओर गए लोगों ने जामुन के पेड़ से गौतम का शव लटका देखा। इसकी जानकारी मिलते ही परिजनों और पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि गौतम के पिता सजीवन साहनी का करीब आठ वर्ष पहले लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया था। इसके बाद परिवार की जिम्मेदारी उसकी मां शीला देवी पर आ गई। परिवार के भरण–पोषण के लिए वह अपने दो छोटे बेटों 16 वर्षीय गोलू और 14 वर्षीय करन के साथ बाहर रहती है। गौतम घर पर अपनी बुजुर्ग दादी गुजराती देवी के साथ रहता था।

गौतम मछली बेचकर अपना और दादी का भरण–पोषण करता था। उसकी मौत की खबर मिलते ही दादी और अन्य परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी। इसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम भागवत प्रसाद (BHAGWAT PRASAD) से बदलकर भागवत प्रसाद शुक्ला (BHAGWAT PRASAD SHUKLA) रख लिया है। भविष्य में मुझे भागवत प्रसाद शुक्ला पुत्र राम गुलाम ग्राम व पोस्ट– नेवारी, तहसील बस्ती, जनपद बस्ती (उ. प्र.) के नाम से जाना व पहचाना जाए।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम विजय कुमार (VIJAY KUMAR) से बदलकर विजय कुमार शुक्ला (VIJAY KUMAR SHUKLA) रख लिया है। भविष्य में मुझे विजय कुमार शुक्ला पुत्र भागवत प्रसाद शुक्ला, ग्राम व पोस्ट–नेवारी, तहसील बस्ती, जनपद बस्ती (उ.प्र.) के नाम से जाना व पहचाना जाए।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com